हिन्दी मासिक समाचार पत्र PRGI.No-UPHIN/2020/89730

समय मंत्र

www.samaymantra.blogspot.com सिद्धार्थ नगर से प्रकाशित Email- samaymantra55@gmail.com

वर्ष-05 अंक - 09 सिद्धार्थ नगर दिन शनिवार 12 जुलाई 2025 पृष्ठ- 8 मूल्य-02 रू0

बलरामपुर में एक जल्लाद को गिरफ्तार किया है... छांगुर बाबा के खिलाफ ऐक्शन पर बोले सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में धर्मांतरण रैकेट चलाने वाले जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ ऐक्शन पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने आजमगढ़ में बड़ा बयान दिया है। आजमगढ़ में श्एक पेड़ मां के नामश के तहत एक मेगा अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि हमने बलरामपुर में एक जल्लाद को गिरफ्तार किया, जो हिंदू बहन–बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ करता था। उन्होंने सौफ तौर पर कहा कि हम समाज को टूटने नहीं देंगे और राष्ट्र–विरोधी, असामाजिक तत्वों को भी नष्ट करेंगेय साथ ही धरती माता की रक्षा भी करेंगे।

आपको बका दें कि जिला प्रशासन और पुलिस ने धर्मांतरण रैकेट के कथित सरगना के अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की अपनी कार्रवाई बुधवार को जारी रखी। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा नामक इस सरगना को हाल ही

में उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते ने गिरफ्तार किया था। इससे पहले अयोध्या में योगी आदित्यनाथ ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बुधवार को सरयू नदी के किनारे त्रिवेणी वाटिका में बरगद, नीम और पीपल के पौधे लगाकर इसे भगवान श्रीराम, धरती माता और जन्मदायिनी माता को समर्पित किया। अयोध्या में आयोजित एक जनसभा में उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ इस अभियान की महत्ता पर जोर दिया।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की अभूतपूर्व प्रगति पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस दौरान 204 करोड़ पौधे लगाए गए जिनमें से 75 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। इसके परिणामस्वरूप राज्य में पांच लाख एकड़ क्षेत्र में वन आच्छादन बढ़ा है।''

एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने हीटवेव (गर्म हवा) को ग्रीनवेव (शीतल हवा) में बदला है। यह प्रयास न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।'' उन्होंने वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु का उल्लेख करते हुए कहा, ''पेड़ों में भी जीवन है और ये छाया, फल, मृदा संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।''

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मारे गए 19 लोगों का सरकार ने किया अंतिम संस्कार

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून को हुए देश के सबसे भयानक विमान हादसों में से एक के लगभग एक महीने बाद, सरकार ने 19 पीड़ितों के उन अवशेषों का अंतिम संस्कार किया है जो दुर्घटनास्थल से बाद में बरामद हुए थे। यह भावुक और संवेदनशील प्रक्रिया मृतकों के परिजनों की सहमति के बाद पूरी की गई। 12 जून को हुए इस हादसे में 270 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। प्रारंभिक जांच और डीएनए टेस्ट के बाद अधिकांश शव परिजनों को सौंप दिए गए थे। हालांकि, बाद में जब प्रशासन ने दुर्घटनास्थल का विस्तृत सर्वेक्षण किया, तो कई मानव अवशेष बरामद हुए। इन अवशेषों की पहचान के लिए फिर से डीएनए मैपिंग की प्रक्रिया अपनाई गई।

गुजरात स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी देते हुए बताया ।

बिहार में बंद का व्यापक असर: ट्रेन-हाईवे जाम, राहुल-तेजस्वी भी होंगे आंदोलन में शामिल

एजेंसी

पटना। बिहार में महागठबंधन की हड़ताल का सुबह–सुबह ही व्यापक असर दिखाई दे रहा है। बुधवार को

राज्य के अलग–अलग इलाकों में महागठबंधन के कार्यकर्ताओं ने वाहनों के चक्का जाम कर दिए। कई जगह ट्रेनों को भी रोक दिया गया तो कुछ जगह हाईवे बंद कर दिए गए। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद के नेता तेजस्वी यादव भी श्बंद्य में हिस्सा लेंगे, जिससे बिहार में हंगामा और बढ़ने की संभावना है।

बिहार में कई दिनों से मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर सियासी हंगामा मचा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के जरिए दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और गरीब–मजदूरों के वोट काटने की साजिश की जा रही है। विपक्ष ने इसे श्वोटबंदीय बताते हुए विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

शबिहार बंद्य में कांग्रेस और राजद के अलावा महागठबंधन में शामिल अन्य दल हिस्सा ले रहे हैं। श्बंद्य के दौरान चुनाव आयोग के फैसले का विरोध किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बुधवार को पटना में आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

तेजस्वी यादव ने बिहार की जनता से विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्स्य पर एक पोस्ट में लिखा, बिहार बंद और चक्काजाम में शामिल होइए और लोकतंत्र को बचाइए। गरीबों, पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को वोटर लिस्ट से बाहर करने की चुनाव आयोग और भाजपा की साजिश को हम कामयाब नहीं होने देंगे। आज नहीं जागे तो कल वोट देने का अधिकार भी छिन जाएगा।

हालांकि राज्य के अलग–अलग इलाकों में बुधवार को सुबह–सुबह आंदोलन का असर दिखाई पड़ा है। भोजपुर के बिहिया में पूर्व विधायक दिनेश ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। सैकड़ों समर्थकों ने श्रमजीवी एक्सप्रेस और विभूति एक्सप्रेस ट्रेन को रोककर नारेबाजी की।

इसी तरह राजद कार्यकर्ताओं ने दरभंगा जंक्शन पर श्नमो भारत्य ट्रेन का चक्का जाम कर दिया। राजद नेता प्रेमचंद्र उर्फ भोलू यादव ने कहा कि केंद्र की सरकार चुनाव आयोग पर दबाव बनाकर पुनरीक्षण कार्य करवा रही है। जहानाबाद में राजद की छात्र इकाई ने विरोध प्रदर्शन किया है। जहानाबाद रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों कार्यकर्ता पहुंचे और ट्रेन को रोक दिया।

बिहार में भाजपा सरकार बनाने के लिए काम कर रहा चुनाव आयोग : एसटी हसन

एजेंसी

मुरादाबाद। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची संशोधन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व सांसद एसटी हसन की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने चुनाव आयोग की तुलना भाजपा कार्यकर्ता से करते हुए कहा कि इलेक्शन कमीशन भाजपा सरकार बनाने के लिए काम कर रही है। बिहार में मतदाता सूची संशोधन पर सपा नेता एसटी हसन ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, चुनाव आयोग सरकार के लिए काम कर रहा है। वे एक महीने के अंदर पूरा संशोधन कर देंगे। इसमें खास बात यह है कि हमारा आधार कार्ड, जिसकी हर जगह मांग होती है, यहां उसे स्वीकार नहीं किया जाता। आधार देखकर जो चीजें बनती हैं, वही मान्य हैं। यह कैसा न्याय है?

उन्होंने आगे कहा, आधार कार्ड को देखकर ही बाकी दस्तावेज बनते हैं, जैसे पासपोर्ट और राशन कार्ड समेत

अन्य दस्तावेज, वो मान्य हैं। आधार कार्ड के अलावा जो लोग अपना जन्म प्रमाण पत्र देंगे और बताएंगे कि हम हिंदुस्तान में जन्मे हैं, उनमें से कितने गरीब लोग हैं, जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र भी नहीं है? ऐसे में उन्हें खुद का नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए अपने साथ–साथ अपने माता–पिता का भी जन्म प्रमाण पत्र देना होगा। मैं मानता हूं कि इलेक्शन कमीशन बिहार में भाजपा सरकार बनाने के लिए काम कर रहा है। ऐसा लगता है कि 2 करोड़ लोगों से वोट देने का अधिकार छीन लिया जाएगा और उनकी नागरिकता खत्म कर दी जाएगी। साफ तौर पर सरकार एनआरसी लागू करने का काम इलेक्शन कमीशन के माध्यम से कर रही है।

बता दें कि कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी समेत श्इंडियाय ब्लॉक के घटक दलों ने मतदाता सूची के श्विशेष गहन पुनरीक्षणय (एसआईआर) के चुनाव आयोग के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है।

18 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 3 जुलाई को निर्वाचन सदन में ईसीआई अधिकारियों से मुलाकात की थी और इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह समान अवसर के सिद्धांत का गंभीर उल्लंघन होगा।

आलिया भट्ट की पूर्व सेक्रेटरी हुई गिरफ्तार, एक्ट्रेस को लगाया था लाखों का चूनाय

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट की पूर्व सेक्रेटरी को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूर्व सेक्रेटरी का नाम वेदिका शेट्टी है, उसे अभिनेत्री के साथ 76 लाख की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। वेदिका पर आरोप है कि उन्होंने आलिया भट्ट के प्रोडक्शन हाउस और पर्सनल अकाउंट के साथ हेरफेर की है और एक्ट्रेस को 76 लाख का चूना लगाया है। वेदिका शेट्टी के खिलाफ जुहू पुलिस में मामला दर्ज किया गया था, जिसकी जांच चल रही है। आरोप है कि शेट्टी ने फर्जी बिल्स के आधार आलिया और उनके प्रोडक्शन हाउस से 76 लाख की राशि अवैध तरीके से प्राप्त की। मई 2022 से अगस्त 2024 के दौरान यह गबन किया गया। वेदिका फर्जी बिल्स क्रिएयेट करती थी, उस पर आलिया के सिग्नेचर लेती थी और फिर सारा पैसा अपने दोस्त के अकाउंट में ट्रांसफर करती थी। इस तरह दो साल में शेट्टी ने करीब 76 लख रुपए का गबन किया।

जिलाधिकारी डा. राजा गणपति आर. द्वारा निर्विवाद वरासत एवं राजस्व वादों के निस्तारण आदि की समीक्षा की गयी।

(समय मंत्र)

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव एवं अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञान प्रकाश की उपस्थिति में राजस्व वाद एवं वसूली के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा निर्विवाद वरासत एवं राजस्व वादों के निस्तारण आदि की समीक्षा की गयी। निर्विवाद वरासत की कोई प्रकरण लम्बित न रहे समय सीमा के अन्दर निस्तारण करायें, राजस्व निरीक्षक लेखपाल के स्तर पर लम्बित होने पर उनको नोटिस निर्गत करें। समस्त उपजिलाधिकारी उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसीलदार प्रत्येक दिन कोर्ट में बैठकर 03 वर्ष से अधिक के सभी वादो का निस्तारण करने का निर्देश दिया। प्रतिदिन केस की सुनवाई करे। वादो को ऑनलाइन फीडिंग कराने का निर्देश दिया दिया। वरासत के प्रकरणों का समय सीमा के अन्दर निस्तारण कराने का निर्देश दिया। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। किसी भी धारा का 05 साल एवं 03 साल के उपर का कोई भी प्रकरण लम्बित नही होना चाहिए। अंश निर्धारण में प्रगति लाने का निर्देश दिया। धारा–24, धारा–116, धारा– 176, धारा–67, धारा–80 के अन्तर्गत प्रकरण पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। खुर्रा बटवारा के प्रकरण निस्तारित कराये कोई भी प्रकरण लम्बित नही रहना चाहिए। इस अवसर पर समस्त उपजिलाधिकारी समस्त तहसीलदार, समस्त तहसीलदार, न्यायिक, नायब तहसीलदार, आदि अधिकारी उपस्थित रहें।

नगर पालिका सिद्धार्थनगर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से नुक्कड़-नाटक किया गया।

(समय मंत्र)

सिद्धार्थनगर में नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव,EO अजय कुमार सिंह की ओर से मंगलवार को पूराब पड़ाव, समेत अन्य जगहों पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से नुक्कड़–नाटक किया गया। कलाकारों ने सभी दर्शकों को अपने घरों के साथ–साथ सार्वजनिक जगहों साफ–सफाई रखने के लिए भोजपुरी कॉमेडियन किंग सी पी भट्ट ने भोजपुरी गानों के माध्यम से जागरूक किया। इसी के साथ स्वच्छता के प्रति जागरूक रहकर निश्चित स्थानों पर बनाये गए कूड़ेदानों का उपयोग करने की अपील की। पालीथिन का उपयोग नहीं करने के साथ सूखा व गीला कूड़ा को अलग–अलग रखकर निर्धारित कूड़ेदानों में ही डालने के प्रति जागरूक किया। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि हमारे पूरे नगर पालिका में 25 वार्ड हैं और जुलाई से ही हम लोगों का यह अभियान पहली जुलाई से चल रहा है। हर वार्ड में प्रत्येक दिन हमारे सभी कर्मचारी जब हर वार्डों की सफाई कर लेते हैं उसके बाद एक जगह एकत्रित हो के लगभग 100 से ऊपर की संख्या में हर वार्ड में सफाई करते हैं और हमारा पूरा प्रयास है कि हमारा नगर पालिका स्वच्छ हो भोजपुरी कॉमेडियन किंग सी पी भट्ट ने कहा कि बच्चों को शिक्षित कीजिए मां–बाप का सम्मान कीजिए बुजुर्गों का आदर कीजिए हम ऐसा नहीं कि सिर्फ स्वच्छता मिशन है। भैया का आदेश था स्वच्छता मिशन के साथ हम स्वच्छता की बातें करते हैं। इस मौके पर सभासद अमित सिंह सभासद राजाराम लोधी रुद्रा सहित आदि लोग मौजूद रहे।

गुरु की याद में सांसद जगदंबिका पाल ने अपने आवास पर परिवार के साथ मिलकर यज्ञ और हवन का आयोजन किया।

(समय मंत्र)

गुरु पूर्णिमा है, गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गुरु की याद में सांसद जगदंबिका पाल ने अपने आवास पर परिवार के साथ मिलकर यज्ञ और हवन का आयोजन किया। इस अवसर पर सांसद जी ने कहा कि यह दिन अपने गुरुओं को नमन करने का दिन है। उनकी प्रेरणा और शक्ति हमारी शिक्षा का आधार रही है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमारे जीवन में गुरु का कितना महत्वपूर्ण स्थान है। हमारे शिक्षक ही हमें जीवन में सही राह दिखाते हैं और हमें अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाते हैं।

राज्यसभा सांसद बृजलाल ने कलेक्ट्रेट परिसर में बने लाइब्रेरी भवन का फीता काटकर किया उद्घाटन

समय मंत्र

सिद्धार्थनगर। सांसद निधि (राज्य सभा) वित्तीय वर्ष 2024–25 के अन्तर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में बने लाइब्रेरी भवन का लाकार्पण एवं कलेक्ट्रेट परिसर में पार्क निर्माण कार्य एवं विकास भवन से लेकर साड़ी तिराहा तक सार्वजनिक उद्यान पार्क निर्माण कार्य का शिलान्यास सांसद राज्यसभा बृजलाल, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान एवं जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा फीता काटकर एवं शिलापट का अनावरण कर किया गया। उद्घाटन के पश्चात लाइब्रेरी का भ्रमण किया गया। सांसद राज्यसभा बृजलाल द्वारा स्वलिखित पुस्तक लाइब्रेरी हेतु जिलाधिकारी को भेट किया गया। इसके पश्चात सांसद राज्यसभा बृजलाल, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान एवं जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 एवं अन्य लोगो द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ज्ञानप्रकाश, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, उपप्रभागीय वनाधिकारी बीना त्रिपाठी, सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

16 अगस्त को होगा महारानी अवंती बाई लोधी की जयंती तैयारी जोरों पर कन्हैयालाल लोधी

(समय मंत्र)

महारानी अवंतीबाई लोधी सेवा समिति सिद्धार्थनगर के तत्वाधान में अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी की जयंती समारोह एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन को लेकर जोरो–शोरों से लोधी समाज और बहुजन समाज ने अभी से 16 अगस्त 2025 दिन शनिवार को कार्यक्रम स्थान सोनिया पैलेस सूपा चौराहा सिद्धार्थनगर पर जयंती को लेकर तैयारी चल रही संगठन के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण गांव से लेकर शहर तक जोर–शोर से प्रचार प्रसार किया जा रहा है अधिक से अधिक संख्या में अपनी भागीदारी दर्ज कराऐ महारानी अवंतीबाई लोधी के जयंती को सफल बनाने के लिए दिन–रात गांव–गांव में नुक्कड़ सभा के माध्यम से बुड्ढे जवान बच्चों महिलाओं को कार्यक्रम में लाने के लिए तैयारी जोरों से प्रयास किया जा रहा है कि जिससे जयंती कार्यक्रम सफल हो सके लोधी समाज में एक चर्चा का विषय बने जिससे से समाज में भाईचारा कायम किया जाए जिससे राजनीतिक सामाजिक शैक्षिक विचारों पर जयंती पर चर्चा करके सिद्धार्थनगर में एक चर्चा का विषय बने जिससे सामाजिक जागृति समाज में किया जाए संयोजक – कन्हैया लाल लोधी, संस्थापक, समाज सुधारक ,महारानी अवंतीबाई लोधी सेवा समिति सिद्धार्थ नगर के बैनर तले यह कार्यक्रम हर साल की भांति इस साल कछार क्षेत्र में मनाया जाएगा जिससे समाज के लोगों में यह संदेश जाए कि हमारे समाज के महापुरुषों ने देश की आजादी की लड़ाई में बडाघ योगदान था लोधी समाज अपने महापुरुषों को याद करके उनके विचारों और सिद्धांतों को आगे बढ़ने का काम किया जाएगा कछार क्षेत्र के लोधी बहुलता गांव में जाकर महारानी अवंतीबाई लोधी के विचारों उद्देश्य और सिद्धांतों पर चर्चा करके उन्हें कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में लाने का काम किया जाएगा

सिद्धार्थनगर में विश्व जनसंख्या दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता रैली निकाली गई।

समय मंत्र

बर्डपुर सिद्धार्थनगर विश्व जनसंख्या दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में

जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से छोटा परिवार सुखी परिवार का नारा देते हुए वर्तमान समय में इसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। रैली के पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में अधीक्षक डॉ सुबोध चंद्रा द्वारा वर्तमान समय की चुनौतियों को देखते हुए परिवार नियोजन। को आवश्यक बताते हुए परिवार नियोजन के लिए अस्थाई और स्थाई विधियों के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें अपनाने के बारे में बताया गया। सभी को यह बताया गया कि सरकारी अस्पताल में परिवार नियोजन के सभी साधन मुफ्त है। सभी को यह सुविधा निःशुल्क प्रदान किया जाता है। परिवार नियोजन के साधन के अपनाने के बाद स्वास्थ्य में होने वाले सुधार के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके लिए दो बच्चों में कम से कम 3 साल का अंतर रखने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया गया। इस दौरान जननी संस्था के पदाधिकारी, बीपीएम, बीसीपीएम राजकुमार, डीईओ सतीश श्रीवास्तव, सहित तमाम आशा, आंगनवाड़ी उपस्थित रही।

आमजन से संवाद स्थापित कर लोगों से आपस में सौहार्द बनाये रखने की अपील की गयी।

समय मंत्र

जनपद सिद्धार्थनगर जनपदीय पुलिस द्वारा त्यौहार श्रावण मास व जनपद में शांति व्यवस्था के दृष्टिगत अपने–अपने सर्किल थाना क्षेत्रो में पड़ने वाले चिन्हित हाट स्पॉट व उसके आस–पास के क्षेत्रों में पैदल गश्त चेकिंग किया गया । आमजन से संवाद स्थापित कर लोगों से आपस में सौहार्द बनाये रखने की अपील की गयी । पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के निर्देशन में आज दिनांक 11.07.2025 को जनपद के क्षेत्राधिकारी प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष द्वारा त्यौहार श्रावण मास व शांति व्यवस्था के दृष्टिगत अपने–अपने सर्किल थाना क्षेत्रो में पड़ने वाले चिन्हित हाट स्पॉट व उसके आस–पास के क्षेत्रों में पड़ने वाले भीड़–भाड़ वाले स्थानों के पर पैदल गश्त चेकिंग किया गया तथा आमजनमानस में सुरक्षा का एहसास कराते हुये जनसंवाद स्थापित किया गया ।

सिद्धार्थनगर में बाल श्रम के विरुद्ध डीटीएफ ने चलाया अभियान

(समय मंत्र)

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जिला टास्क फोर्स टीम

ने शुक्रवार को इटवा में बाल श्रम के विरुद्ध अभियान चलाकर 6 किशोर श्रमिकों को चिन्हांकित कर 4 नियोजकों फेमस लेडीज सूट सेंटर, उमर वस्त्रालय, यादव जी स्वीट्स, शिवनेरी चाय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्ज्वल त्रिपाठी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर 15 जुलाई तक जनपद में बाल श्रम के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में शुक्रवार को इटवा में 6 किशोर श्रमिकों को चिन्हांकित कर 4 नियोजकों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। उन्होंने बताया बाल श्रम के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर नियोजकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। अभियान में मुख्य रूप से श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्ज्वल त्रिपाठी, एएचटीयू प्रभरी निरीक्षक रामकृपाल शुक्ला, उपनिरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी देवेन्द्र यादव, आरक्षी अशुतोष सिंह शामिल रहे।

सभासद प्रतिनिधि मनीष जायसवाल ने किया वृक्षारोपण

समय मंत्र

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका सिद्धार्थ नगर के परशुराम नगर वार्ड स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय पर गुरुवार को सभासद प्रतिनिधि मनीष जायसवाल ने पौधारोपण कर सभी से धरती को हरा भरा रखने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए पौधे जरूरी है। आज धरती पर पौधों की कमी से पर्यावरण खराब हो गया है। इसलिए धरती पर जीवन कठिन हो गया है। इसमें सुधार तभी होगा, जब धरती पर पौधों की तादाद बढ़ा दी जाये। इस अवसर पर विद्यालय की समस्त शिक्षकों की मौजदूगी रही

सावन के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी ने भगवान शिव का किया रुद्राभिषेक,देवाधिदेव महादेव से की समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की,की प्रार्थना

समय मंत्र (अंकित निषाद की रिपोर्ट) मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सावन के प्रथम दिन प्रातः काल गोरखनाथ मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक व हवन किया।

रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने भगवान भोले शंकर से चराचर जगत के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख–समृद्धि की प्रार्थना की। शुक्रवार प्रातः गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में मुख्यमंत्री योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल, दूध और ऋतुफल के रस से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न कराया। रुद्राभिषेक के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

विश्व जनसंख्या दिवस का विधायक एवं सांसद प्रतिनिधि ने तहसील नौगढ़ से जागरूता वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

समय मंत्र

सिद्धार्थनगर। विश्व जनसंख्या दिवस का विधायक कपिलवस्तु श्याम धनी राही एवं सांसद डुमरिया गंज प्रति निधि एस0पी0अग्रवाल द्वारा तहसील नौगढ़ से जागरूता

वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली तहसील से होकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नौगढ़ पर सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 प्रमोद कुमार, डा0 संजय गुप्ता, एमओआईसी नौगढ़ डा0 अनूप जायसवाल, मान सिंह, रवि चौधरी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

एमएसएमई की संख्या में वृद्धि

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही जमीनी स्तर पर नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं। एमएसएमई दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश के सतत आर्थिक विकास के मद्देनजर एमएसएमई के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम अनिवार्य है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि केंद्र सरकार ने इस अनिवार्यता को समझते हुए कई नीतिगत पहल की है। एमएसएमई के लिए वर्गीकरण मानदंडों में संशोधन, ऋण की उपलब्धता में वृद्धि, केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और केंद्रीय सार्वजनिक के उद्यमों को अपनी वार्षिक खरीद आवश्यकताओं का कम–से–कम 35 फीसद एमएसएमई उद्यमों से प्रापण करने के लिए प्रोत्साहन, पीएम विकर्मा योजना के तहत कारीगरों के कौशल विकास जैसी तमाम पहल ने एमएसएमई उद्यमों के लिए स्थितियां उत्साहजनक बनाई हैं। इन प्रयासों ने पंजीकृत एमएसएमई की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। साथ ही, उम्मीद जगी है कि इन पहल से देश के समावेशी विकास में एमएसएमई पहले से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण निभाने में सक्षम और सफल हो सकेंगे। चूंकि ये उद्यम बनिस्बत कम पूंजी लागत पर अधिक रोजगार अवसरों का सृजन करते हैं, और वह भी ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, इसलिए कमजोर वगरे को सशक्त बनाने और विकास के विकेंद्रीकरण में अपनी उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। कहना न होगा कि इससे ये उद्यम समावेशी विकास का महत्त्वपूर्ण जरिया बन सकते हैं। जमीनी स्तर पर नवाचार में भी एमएसएमई उद्यमों की भूमिका को समझा गया है। महिलाओं को इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाए तो समाज के सर्वांगीण विकास की में नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। बेशक, सरकार के स्तर पर तमाम प्रयास और पहल हो रही हैं, लेकिन इस तथ्य की भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह क्षेत्र अनके चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। वित्त की समस्या, कंपनियों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, नवीनतम प्रौद्योगिकी की कमी, कच्चे माल, सीमित बाजार, विलंबित भुगतान और कम कुशल कार्यबल आदि समस्याओं का निदान हो सका तो यकीनन यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था के विकास में अपेक्षित योगदान देगा।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

डॉ. प्रभात दीक्षित

भारत की न्यायिक व्यवस्था अब बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ा चुकी है। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अब महीने में दो अतिरिक्त कार्य दिवस जोड़ने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

यानी अब दूसरे और चौथे शनिवार को भी सुप्रीम कोर्ट खुलेगा और नियमित मामलों की सुनवाई करेगा। यह फैसला केवल अदालत के काम के घंटे बढ़ाने का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसे समय में आया है जब देशभर में न्याय का बोझ बहुत बढ़ गया है। देश में वर्तमान समय में करीब 5 करोड़ मुकदमे अदालतों में लंबित हैं। इनमें से अकेले सुप्रीम कोर्ट में 72,000 से अधिक मामले पेंडिंग हैं।

हाईकोर्ट में यह संख्या लगभग 60 लाख के करीब है और सबसे ज्यादा भार तो निचली अदालतों पर है, जहां 4 करोड़ 30 लाख से अधिक मुकदमे वर्षो से फैसले की राह देख रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की यह पहल एक संकेत है कि न्यायपालिका अब खुद भी अपनी कार्य संस्कृति को बदलने को तैयार है और यह बदलाव केवल अदालतों के भीतर नहीं, बल्कि पूरे समाज में फैलना चाहिए, लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है कि क्या अदालतों के कार्य दिवस बढ़ा देने भर से समस्या हल हो जाएगी? जवाब है नहीं।

जब तक समाज, सरकार, मीडिया, पुलिस, प्रशासन और आम नागरिक सभी अपनी–अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझेंगे, तब तक अदालतों पर बढ़ता बोझ कम नहीं होगा। आज जरूरत इस बात की है कि आम आदमी खुद यह सोचे कि क्या हर विवाद अदालत तक ले जाना जरूरी है? अक्सर मामूली झगड़े जैसे कि जमीन के छोटे विवाद, पारिवारिक तनाव, लेन–देन की छोटी बातें भी कोर्ट तक पहुंचा दिए जाते हैं, जिन्हें बातचीत, पंचायत, मीडिएशन या लोक अदालत के जरिये सुलझाया जा सकता है।

आम जनता को समझना होगा कि हर मामला न्यायालय में ले जाना ही समाधान नहीं, कई बार यह समस्या को और उलझा देता है। वकीलों की भूमिका भी कम अहम नहीं है। वे मुकदमे की दिशा तय करते हैं, मुकदमा लड़ा जाए या सुलझाया जाए। अगर वे केवल जीत–हार की सोच से ऊपर उठकर न्याय दिलाने की भावना से काम करें, तो लाखों मामले अदालत तक पहुंचने से पहले ही सुलझ सकते हैं। साथ ही, यह भी जरूरी है कि वकील फर्जी या दुर्भावनापूर्ण मामलों को दर्ज करने से परहेज करें और मुवक्किल को वास्तविक कानूनी रास्ता दिखाएं। इसी तरह पुलिस और जांच एजेंसियों की भी सीधी भूमिका है। जब समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं होती, जब जांच अधूरी रहती है, जब गवाहों की सुरक्षा नहीं होती, तब मामला खिंचता चला जाता है। न्याय प्रक्रिया तभी प्रभावी हो सकती है जब जांच समयबद्ध, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से मजबूत हो। कई मामलों में पुलिस की लापरवाही ही न्याय में देरी की सबसे बड़ी वजह बनती है। प्रशासनिक अधिकारियों को भी अपनी भूमिका को गंभीरता से लेना होगा।

जब भूमि विवाद, जाति प्रमाण पत्र, किराएदारी या राजस्व से जुड़े मामूली मसले प्रशासन द्वारा समय पर न सुलझाए जाएं, तो जनता के पास अदालत जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है। ऐसे में तहसीलदार, एसडीएम और अन्य अधिकारी अपने स्तर पर सक्रिय रहेंगे तो कोर्ट का बहुत सारा भार हल्का किया जा सकता है।

वहीं मीडिया, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाता है, उसे भी जिम्मेदारी निभानी होगी। अक्सर देखा गया है कि मीडिया कुछ मामलों को इस तरह से उछाल देता है कि वह श्ट्रायल बाय मीडियाच्य बन जाता है। इससे न केवल न्याय की प्रक्रिया प्रभावित होती है, बल्कि जनता का भ्रम भी बढ़ता है। मीडिया का काम है जनता को न्यायिक प्रक्रियाओं की जानकारी देना।

तेजी से बढ़ रही युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

योगेश कुमार गोयल

मादक पदार्थों का सेवन केवल व्यक्ति की निजी कमजोरी नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध सबसे बड़ा अपराध ा है। यह प्रवृत्ति शहरों के क्लबों, पार्टियों और रेव–संस्कृति तक सीमित नहीं रही, बल्कि दूरस्थ गांवों और कस्बों तक पांव पसार चुकी है।

सबसे चिंता की बात यह है कि यह सब कुछ हमारे सामाजिक ढांचे का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। वैसे यह समस्या भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अनेक देशों में भी नशीली दवाओं की तस्करी खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 26 जून को श्अंतरराष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस्च्य मनाया जाता है, लेकिन 36 वर्षो से यह दिवस मनाते रहने के बावजूद नशे की तस्करी पर लगाम कसे जाने की बजाय यह समस्या दुनिया भर में विकराल होती गई है। चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत में तो नशे का धंधा अब देश के नामी–गिरामी शिक्षण संस्थानों तक फैल चुका है। बड़े शहरों की रेव पार्टियां, जहां महंगे होटल और फार्म हाउसों में धुआं, शराब और कोकीन की गंध में आधुनिक युवा वर्ग डूबा होता है, इस विघटन की वीभत्स तस्वीरें पेश करती हैं।

राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक शिथिलता ने इन पार्टियों को लगभग श्छूट प्राप्त अड्डोंच्य में बदल दिया है, जहां पुलिस की कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह जाती है। रईसजादों के लिए नशे की संस्कृति श्स्टेटस सिंबलच्य और श्मॉडर्निटीच्य का पर्याय बन गई है। कोकीन जैसे पदार्थ, जिनमें गंध तक नहीं होती, उनके लिए नया फैशन स्टेटमेंट हैं, बिना यह समझे कि ये पदार्थ तंत्रिका तंत्र पर सीधा प्रहार करते हैं, और धीरे–धीरे शरीर और आत्मा को खोखला कर देते हैं। इस भयावह स्थिति को बढ़ावा देने वाला माध्यम है इंटरनेट। सूचना क्रांति का यह माध्यम नशीली दवाओं की उपलब्धता और प्रचार–प्रसार का प्लेटफॉर्म बन गया है।

भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में कॉलेज छात्रों की भागीदारी चालीस प्रतिशत से अधिक है, और इस आंकड़े में लड़कियों की संख्या भी चिंताजनक स्तर तक बढ़ चुकी है। अनेक कॉलेज परिसरों में स्थिति यह है कि छात्र अपने ही परिसर में नशा खरीद सकते हैं, जो किसी संगठित गिरोह की गतिविधि से कम नहीं। छात्रों का नशे की ओर झुकाव कई कारणों से होता है–साथियों के दबाव, मॉडर्न दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या फिर अवसाद, चिंता और मानसिक अकेलेपन की स्थिति में। चौंकाने वाली बात यह है कि वे दवाएं, जिन्हें मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाया गया था, अब नशे के औजार के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं।

नशीली दवाओं के सेवन से शरीर पर अनेक घातक प्रभाव होते हैं–भूख मर जाना, वजन कम होना, आंखों में लाली और सूजन, कंपकंपी, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, अवसाद, ध्यान केंद्रित करने में असमर्थता और यहां तक कि एड्स जैसे संक्रमणों का खतरा भी। मादक पदार्थों का सेवन धीरे–धीरे व्यक्ति की इच्छाशक्ति को इस हद तक खत्म कर देता है कि वह इनका गुलाम बन जाता है। प्रारंभिक प्रयोग के बाद व्यक्ति पहले जैसी अनुभूति के लिए मात्रा बढ़ाता है और ऐसी अवस्था में पहुंच जाता है, जहां उसका अस्तित्व इन पर निर्भर हो जाता है।

समाज में व्याप्त यह भ्रांति कि नशे से सृजनात्मकता, सोचने की शक्ति, एकाग्रता और यौन शक्ति में वृद्धि होती है, भ्रामक और खतरनाक मिथक है। असलियत तो यह है कि नशे की गिरफ्त में व्यक्ति धीरे–धीरे अपनी सोच–विचार की स्पष्टता खो देता है, उसकी निर्णय–क्षमता खत्म हो जाती है और उसके कार्य में तालमेल टूट जाता है। कोई भी रसायन, जो व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक क्रिया–प्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है।

देश में नशे का सबसे गंभीर पहलू यह है कि भारत नशे का उपभोक्ता नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय तस्करी के नक्शे पर प्रमुख श्ट्रांजिट रूट्च्य भी बन चुका है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, म्यांमार, ईरान और चीन जैसे देशों से होते हुए भारत के रास्ते मादक पदार्थ पश्चिमी बाजारों तक पहुंचते हैं। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट भी इस बात की पुष्टि करती है कि भारत की भौगोलिक स्थिति तस्करों के लिए सबसे सुगम मार्ग है।

यह व्यापार अब वैश्विक अर्थव्यवस्था का 15 प्रतिशत हिस्सा बन चुका है। भारत में इस पर लगाम लगाने के लिए नारकोटिक्स एक्ट जैसे कठोर कानून मौजूद हैं, लेकिन अपराधी अक्सर इन कानूनों की कमियों का लाभ उठा कर बच निकलते हैं। हमें स्वीकार करना होगा।

कि नशा अब व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा है। इस आपदा से लड़ने का एक ही रास्ता है जनचेतना, सहयोग और सामूहिक संकल्प। यही वह क्षण है, जब हमें यह प्रण लेना होगा कि हम नशे के हर रूप, हर स्रोत और हर समर्थन के खिलाफ खड़े होंगे, बिना डरे, बिना रुके।

राज्य ललित कला अकादमी,उ.प्र. सुनील कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम भावानत्मक लगाव दिया गया है।

(समय मंत्र)

सिद्धार्थनगर। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन के शासनादेश द्वारा वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम 2.0, एक ही दिन में 37 करोड़ पौधारोपण किये जाने का लक्ष्य के सापेक्ष ग्राम पंचायत महादेवा नानकार, विकास खण्ड नौगढ़ में बाणगंगा नहर पटरी पर मुख्य अतिथि अध्यक्ष, राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 सुनील कुमार विश्वकर्मा, एवं विशिष्ट अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्याम धनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, वृक्षारोपड़ नोडल अधिकारी सिद्धार्थनगर! सदस्य (न्यायिक) एस.वी.एस.रंगाराव, जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, डीएफओ पुष्प कुमार के0 की उपस्थिति में वृक्षारोपड़ किया गया। डीएफओ द्वारा समस्त जनप्रतिनिधियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष, राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 सुनील कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि शासन द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। एक पेड़ माँ के नाम भावानत्मक लगाव दिया गया है। हजारो साल से वृक्ष की पूजा हम लोक करते चले आ रहे है। वर्षो पहले वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस ने बताया था कि वृक्ष में जान है। वृक्ष हमारे लिए बहुत

उपयोगी है। इनसे हम फल, फूल, आक्सीजन मिलती है। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल सिंह ने कहा कि उ0प्र0 सरकार के निर्देश के क्रम में वृक्षारोपड़ अभियान चलाया गया है। पूरे प्रदेश 37 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य है। आज के 60 वर्ष पूर्व हमे शुद्ध ऑक्सीजन एवं वातावरण मिलता था। इसका यही कारण था कि आबादी कम थी एवं पेड़ध्वनध्जंगल अधिक थे। पेड़ अधिक होने से गर्मी कम पड़ती थी, बरसात समय से होता था। आज हमे आने वाली पीढ़ी के लिए सोचना पड़ेगा अधिक से अधिक पेड़ लगाये। इसके साथ–साथ इसकी देखभाल भी करना चाहिए। सभी लोग एक पेड़ अपनी माँ के नाम से लगाये। आप लोग पेड़ लगाकर उसी देखभाल करे। पेड़ लगाने के साथ ही उसकी सुरक्षा करना भी हम सभी का दायित्व है। सांसद जी ने किसान भाइयों से अपील करते हुए कहा कि आप लोग अपने निजी भूमि में वृक्ष अवश्यक लगाये ।हम लोग संकल्प ले कि हम लोग जिस तरह अपने बच्चे का लालन–पालन करते है उसी तरह वृक्ष की देखरेख करेंगे। पृथ्वी हमारी माँ है अधिक से अधिक वृक्ष लगाये जिससे वातावरण शुद्ध रहे। विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने कहा कि हम लोगो पेड़ लगाना चाहिए जिससे पर्यावरण शुद्ध रहे। जितना अधिक पेड़ लगायेगे उतना ही पर्यावरण शुद्ध रहेगा और हमे शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगा। हम सब को मिलकर पेड़ लगाना चाहिए। हम सबको चाहिए कि उसकी रखवाली भी करे। पेड़ जीवन के लिए बहुत ही लाभकारी है। हम सभी को माँ के नाम एक पेड़ लगाना चाहिए। जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने कहा कि उ0प्र0 सरकार द्वारा जो संकल्प लिया गया है एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाये। इसके साथ–साथ हम पेड़ों की देखरेख का भी संकल्प ले। वृक्षारोपड़ नोडल अधिकारी सिद्धार्थनगर/सदस्य (न्यायिक) एस.वी.एस.रंगाराव ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार मै यहां आया हूँ। आज पूरे प्रदेश में वृहद स्तर पर वृक्षारोपड़ का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। एक पेड़ माँ के नाम लगाये जाने की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग पेड़ लगाये और उसकी सुरक्षा करे जिससे शुद्ध वायु एवं ऑक्सीजन मिल सके। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जनपद सिद्धार्थनगर के लिए शासन द्वारा 43.49 लाख का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने बताया कि आज जनपद में 43.49 लाख पौध रोपण किया जा रहा है। जिसमें वन विभाग द्वारा 13.78 लाख तथा अन्य विभागो द्वारा 29.71 लाख पौध रोपण किया जायेगा। प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी को सहजन का वृक्ष दिया गया। डीएफओ द्वारा समस्त

जनप्रतिनिधिगणों को पौधा दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा जनप्रतिनिधिगण का आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल, डीसी मनरेगा सन्दीप सिंह, खण्ड विकास अधिकारी नौगढ़ सर्वेश मोहन, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश मिश्रा, प्रधान संघ ब्लॉक नौगढ़ अध्यक्ष गंगा मिश्रा, बुद्ध सागर चौरसिया आदि लोग मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत प्रदेश के युवा हो रहे है आत्मनिर्भर

(समय मंत्र) लखनऊ। प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवको की बेरोजगारी की समस्या दूर करने और प्रदेश के हुनरमंद व कर्मठ युवाओं को अपने पैरो पर खड़ा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की शुरूआत की है। इस योजना का मुख्य उददेश्य युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को अपना उद्योग शुरू कर स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 25 लाख रूपये तक एवं सेवा क्षेत्र हेतु 10 लाख रू० तक ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। इसमें प्रदेश सरकार द्वारा 25 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान लाभार्थी को उपलब्ध कराया जाता है. जो कि उद्योग क्षेत्र हेतु अधिकतम रू0 6.20 लाख तथा सेवा क्षेत्र हेतु रू0 2.50 लाख तक देय होता है। जो उद्यम के दो वर्ष तक सफल संचालन के उपरान्त अनुदान में परिवर्तित हो जाता है।

प्रदेश में बहुत से ऐसे युवा है जो शिक्षित और किसी न किसी ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण अपना खुद का कोई उद्योग, स्वरोजगार शुरू नहीं कर पाते। मुख्यमंत्री जी का ध्येय है कि राज्य के ऐसे युवा इस योजना के अन्तर्गत आवेदन करें और अपना रोजगार शुरू करें। इसके लिए सरकार उनकी आर्थिक सहायता करेगी। प्रदेश के युवाओं को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत लाभान्वित कराते हुए उनको आत्मनिर्भर एवं सशक्त तथा आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के लिए सरकार बड़ी तेजी से कार्य कर रही है।

दूसरे राज्यों में काम करने वाले उत्तर प्रदेश के अर्द्धकुशल, कुशल श्रमिक, कारीगर, शिक्षित युवा प्रदेश में वापस आयें है। इन श्रमिकों को स्थाई रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ी तत्परता से कार्य किया है। इसके तहत सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों से जुड़ी कई योजनाओं को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाया है। जहाँ से कोई भी पात्र व्यक्ति आवेदन कर सकता है। प्रदेश सरकार बेरोजगार युवाओं को खुद का उद्योग स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना को बढावा दे रही है। इस योजना के अन्तर्गत लाभ लेने के लिए वह जरूरी है कि लाभार्थी उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हो और बेरोजगार हो।

आवेदनकर्ता की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच की होनी चाहिए। और वह किसी बैंक का डिफाल्टर न हो। लाभार्थी को कम से कम हाईस्कूल पास होना जरूरी है तथा इस योजना के अन्तर्गत लाभ लेने के पहले से इस तरह की किसी अन्य योजना का लाभ न उठा रहा हो।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजनान्तर्गत आवेदनकर्ता को आनलॉइन आवेदन करना होता है। आवेदनकर्ता के पास जन्मतिथि सम्बन्धी हाईस्कूल प्रमाण पत्र, आधारकार्ड, वोटर, आई०डी० कार्ड, उ०प्र० का स्थाई निवासी होने का प्रमाणपत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्र, उद्योग स्थापित करने के लिए भूमिध भवन का विवरण अभिलेख, मशीनरी उपकरण, साज–सज्जा हेतु वर्तमान दरों के कोटेशन, जाति प्रमाण पत्र, यदि उद्यमिता विकास प्रशिक्षण प्राप्त किया है तो उसका प्रमाण पत्र, बी०पी०एल० राशनकार्ड की प्रतिलिपि आदि अभिलेखों का आवेदन करते समय लगाने पड़ते है। बेवसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद जिला स्तर पर जिला चयन समिति के माध्यम से जिला उद्योग केन्द्र द्वारा सम्बन्धित उद्योग के ऋण आदि की पत्रावली बनाकर अभिलेखों सहित सम्बन्धित बैंको को भेजी जाती है, जहाँ से लाभार्थी को ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना का प्रदेश के हजारों बेरोजगार युवा लाभ उठाते हुए आत्मनिर्भर हो रहे है। इस योजनान्तर्गत जनवरी, 2025 तक 22,819 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए रू067937.44 लाख से अधिक धनराशि मार्जिन मनी के रूप में वितरित किया गया है। इस योजनान्तर्गत 2,27,352 से अधिक लाभार्थियों के लिए रोजगार का सृजन हुआ है। युवाओं द्वारा लगाने जा रहें उद्यमों से अन्य लोगों को भी रोजगार मिल रहा है, साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर लगाया जनता दरबार,दो सौ फरियादियो की सुनी फरियाद,कहा हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार

(समय मंत्र) गोरखपुर से अंकित साहनी की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दरबार लगाया। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि परेशान मत हों आपकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई तो उसे आत्मीय संबल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज का इस्टीमेट मंगा लीजिए, सरकार भरपूर मदद करेगी।

मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में एक महिला समेत कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर मण्डलायुक्त अनिल ढिंगरा,जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महिला आयोग चारू चौधरी ने सम्बंधित अधिकारी को प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने का निर्देश

समय मंत्र

सिद्धार्थनगर। उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, चारू चौधरी की

अध्यक्षता में महिला जन सुनवाई कार्यक्रम एवं जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई। महिला जनसुनवाई के दौरान उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, चारू चौधरी के समक्ष राजस्व विभाग एवं महिला उत्पीड़न के प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत हुए। उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग,चारू चौधरी ने सम्बंधित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही कर प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण दोनो पक्षो को सुनकर निस्तारण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी के साथ भेदभाव न किया जाये समस्याओं का त्वरित निस्तारण करायें। निस्तारण के उपरान्त 01 सप्ताह में निस्तारण रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। महिला उत्पीड़न के प्रकरण में दोनो पक्षों को बुलाकर आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, चारू चौधरी ने निर्देश दिया कि समय से प्रकरणों के निस्तारण रिपोर्ट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। समाज कल्याण, महिला कल्याण, एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओ का लाभ पात्र लाभार्थियों को दिलाये। इस अवसर पर नायब तहसीलदार नौगढ़, क्षेत्राधिकारी अरूण कान्त सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, महिला थानाध्यक्ष भाग्यवती पाण्डेय, व अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे। इसके पश्चात उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, चारू चौधरी ने जिला जेल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला बैरक का निरीक्षण किया गया। विचाराधीन महिला बन्दियों से वार्ता कर उनका हाल–चाल जाना गया। इसके साथ ही जेल में महिलाओ को दिये जा रहे सिलाई, कढ़ाई प्रशिक्षण आदि को देखा गया। समय समय पर बन्दियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा पाकशाला, बैरक, शौचालय आदि को देखा गया तथा निर्देश दिया कि बंदियों को किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाये। उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, चारू चौधरी द्वारा जिला जेल परिसर में पौधरोपण किया गया। इसके पश्चात उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, चारू चौधरी द्वारा माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनरल वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, व अन्य वार्डो को देखा गया। उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, चारू चौधरी ने भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य एवं मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। उन्होंने सभी वार्डो में साफ सफाई व्यवस्था ठीक कराने का निर्देश दिया। मरीजों को सभी दवायें निःशुल्क व जांच उपलब्ध कराया जाये। बाहर की दवा न लिखें। मरीजो को किसी प्रकार की समस्या नही होना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पोधरोपण आवश्यक -सोनू यादव

समय मंत्र सिद्धार्थनगर। उसका ब्लॉक के ग्राम पंचायत सोहांस खास

में प्रधान श्रीश प्रताप उर्फ सोनू यादव ने मंगलवार को क्षेत्र के बांधों पर पौधरोपण किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए पांच सौ से अधिक फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया।

उन्होंने कहा कि मानव जीवन के खुशहाली के लिए हमारे आसपास के माहौल हरा भरा होना जरुरी है। यदि पृथ्वी पर पेड़ पौधों ही नहीं रहेंगे तो आक्सीजन खत्म होने के पर्यावरण दूषित हो जाएगा। इससे मानव सभ्यता समाप्त हो जाएंगी। बारिश भी नहीं होगी। ऐसे में सभी को चाहिए की पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधों का रोपण करें। एक पेड़ सौ पुत्र के बराबर होता है। पौध रोपण के साथ ही उसका देखभाल भी करना होगा। तभी ग्राम पंचायत द्वारा लगाए पौधों का संरक्षण होगा। आज के युग में लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए धड़ल्ले से पेड़ों की कटान कर रहे है। इस पर अंकुश लगने के बाद भी वन माफिया हरे पेड़ की कटान कराकर मालामाल हो रहे है। उनके बच्चें भी यदि पेड़ पौधें नहीं रहेंगे तो जीवित नहीं बचेंगे। ऐसे में उन्हें भी चाहिए कि वह पेड़ों की कटान का बंद कर वरना सब कुछ समाप्त हो जाएगा। इस दौरान मंजूर अली, गौतम यादव, मनकेश्वर, लालदेव, राम करन गौड़, राम वृक्ष, तौलन व पिंटू यादव आदि मौजूद रहे।

मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए– संजय सिंह ने जौनपुर से शुरू किया स्कूल बचाओ अभियान, कहा 27000 स्कूल बंद और 27308 मधुशालाएं खुलीं

जौनपुर, लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने बुधवार को जौनपुर के प्राथमिक विद्यालय मीरगंज खास से 'स्कूल बचाओ अभियान' की शुरुआत करते हुए योगी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक ओर राज्य सरकार 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने जा रही है, वहीं दूसरी ओर 27308 नई शराब की दुकानों (मधुशालाओं) को मंजूरी दे चुकी है। "हमें मधुशाला नहीं, पाठशाला चाहिए," कहते हुए संजय सिंह ने ऐलान किया कि वे बच्चों की अपील को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे।संजय सिंह ने कहा कि कई जिलों में स्कूल बंद करने के आदेश पहले ही लागू हो चुके हैं।

बस्ती खबरें

संकल्पों के साथ मनाया गया श्रीकृष्णा मिशन मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल का 9 वां स्थापना दिवस

बस्ती। श्रीकृष्णा मिशन मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल का 9 वां स्थापना दिवस हास्पिटल परिसर में संकल्पों के साथ मनाया गया। चेयरमैन बसन्त चौधरी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में क्रान्तिकारी बदलाव के जिन उद्देश्यों से हास्पिटल को स्थापित किया गया था वह जनता के विश्वास और स्वास्थ्य कर्मियों के प्रयास से निरन्तर जारी है। आने वाले दिनों में हास्पिटल को और तकनीकों से समृद्ध किया जायेगा। डायरेक्टर पंकज चौधरी ने कहा कि हास्पिटल में सभी प्रकार के बीमारियों के इलाज की सुविधा उपलब्ध है। इसका लाभ मरीजों को मिल रहा है। बेहतर और न्यूनतम मूल्य पर सेवा के साथ ही सभी प्रकार के सरकारी और बीमा कम्पनियों की सेवायें उपलब्ध है।श्रीकृष्णा मिशन मल्टी स्पेशलिटी हास्पिटल के 9 वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से जर्नल मैनेजर वी.के. अयग्र, डा. पी.पी. मिश्रा, डा. सोमा सागुप्ता, डा. असरार अहमद, डा. नवीन मौर्या, डा. सौरभ सिंह, डा. खालिद जमील, डा. काजी, डा. मो. दाउद अख्तर, डा. अजीज आलम, डा. अवधेश उपाध्याय, डा. डी.सी. श्रीवास्तव के साथ ही फार्मासिस्ट, नर्स, स्वास्थ्यकर्मी, रमधीरज चौधरी, विनोद पाण्डेय, विश्वनाथ चौधरी, कमलेन्द्र पटेल, दुर्गेश चौधरी, मनोज, हेमन्त चौधरी, सुधीर आदि शामिल रहे।

पटेल एस.एम.एच. हॉस्पिटल में खुला कपड़ा बैंक, शिविर में मरीजों का इलाज, रोपे गये पौध

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज गोटवा में निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में हास्पिटल परिसर में कपड़ा बैंक स्थापित किया गया जिससे जरूरतमंदों को वहां से निःशुल्क कपड़े मिल जायेंगे और लोग कपड़ा जमा भी कर सकेंगे।निःशुल्क स्वाथ्य परीक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुये विधायक महेन्द्र नाथ यादव ने कहा कि यह पुनीत कार्य है। आयुष चिकित्साधिकारी जिला चिकित्सालय डा. वी. के. वर्मा और पटेल एस.एम.एच. हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज गोटवा की मानव सेवा की पहल सराहनीय है।शिविर में डा. आलोक रंजन वर्मा, डा. आर एन चौधरी, डा. मनोज मिश्रा, डा. चंदा सिंह, डा. इरफाना बानो, डा. एसके कुशवाहा, राजेश पटेल, डा. लालजी यादव, डा. सी.एम. पटेल, डा. रीतेश चौधरी ने लगभग 260 मरीजो का निःशुल्क मेडिकल परीक्षण कर परामर्श दिया गया। इसी कड़ी में श्रीमती मुराली देवी मानव सेवा एवं शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित विद्यालयों में एक पेड़ मां के नाम अभियान में हजारों पौध रोपे गये।

जनपदीय क्रीड़ा समिति की बैठक में खेल के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा, सौंपी जिम्मेदारी

बस्ती। जनपदीय क्रीड़ा समिति की बैठक राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के सभागार में सह जिला विद्यालय निरीक्षक अनूप कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में बुधवार को संपन्न हुई। बैठक में विद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न मुद्दे पर चर्चा की गई और खेलों का आवंटन करते हुए जनपद के विभिन्न विद्यालयों को उसको सकुशल संपन्न कराने की जिम्मेदारी दी गई। जनपदीय क्रीड़ा समिति का गठन भी किया गया। जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक को अध्यक्ष, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को उपाध्यक्ष , जिला क्रीड़ा अधिकारी को सदस्य तथा अमित कुमार यादव को जिला सचिव बनाया गया। प्रधानाचार्य डॉ विजय प्रकाश, अपर्णा भारद्वाज, प्रमोद उपाध्याय, मुस्लिम खातून, राम सुभाष वर्मा, प्रतिमा चौधरी, केडी द्विवेदी, अनिल कुमार सिंह, बीईओ विनोद त्रिपाठी, अजय कुमार वर्मा, रमेश चंद्र गुप्ता, शीला वर्मा, विवेक श्रीवास्तव, सरिता यादव, बीना चौधरी, संतोष कुमार पाण्डेय, प्रभाकर रंजन ओझा, हरीश कुमार सिंह, माता प्रसाद त्रिपाठी, अमरनाथ मौर्या, भूपेश सिंह का सदस्य के रूप में चयन किया गया। बैठक में प्रधानाचार्य कमलेश कुमार द्विवेदी, योगेश शुक्ला, प्रमोद कुमार उपाध्याय, विद्याधर वर्मा सहित बड़ी संख्या में प्रधानाचार्य एवं शारीरिक शिक्षक सम्मिलित हुए।

श्रावण मास में मदिरा, मांस, मछली की दूकानों पर रोक लगाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

बस्ती। अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिला संरक्षक प्रमोद पाण्डेय, राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी, अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद जिलाध्यक्ष स्नेह पाण्डेय के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा।मांग किया कि श्रावण मास में सनातन परम्परा की आस्था को देखते हुये 12 जुलाई से अयोध्या धाम से भद्रेश्वरनाथ धाम तक मार्ग के 500 मीटर के दोनों तरफ मदिरा, मांस, मछली की दूकानों पर पूरी तरह से श्रावण मास तक पूरी तरह से प्रतिबन्ध लगाया जाय। ज्ञापन में कहा गया है कि श्रावण मास में लाखों कावरियें आस्था का जल लेकर अयोध्या से बस्ती आते हैं। ऐसे में उनकी अगाध श्रद्धा को देखते हुये मांस, मछली की दूकानों पर पूरी तरह से प्रतिबंध आवश्यक है। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से वशिष्ठ मुनि, शिवेश, अजय कुमार, सोनू चौहान, ऋषभ शुक्ला, विनोद निषाद, अनिल कुमार, राज प्रकाश शुक्ल, हरिन्द्र सिंह, अनुराग शुक्ला, राजू चौहान, अमरदीप चौधरी, अमित सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, गीता देवी, चन्द्रावती देवी, मुराती देवी, गीता रानी, सुमिरता, मालती देवी आदि शामिल रहीं।

'जल गंगा संवर्धन अभियान' से प्रदेश होगा जल-समृद्ध

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने अभिनव प्रयोगों से अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के लिए प्रारंभ हुआ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी पहल है। निकट भविष्य में हमें इसके सुखद परिणाम दिखायी देंगे। शुभ प्रसंग पर शुभ संकल्प के साथ जब कोई कार्य प्रारंभ किया जाता है, तब उसकी सफलता के लिए प्रकृति एवं ईश्वर भी सहयोग करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश सरकार ने गुड़ी पड़वा (30 मार्च) से 30 जून तक प्रदेश स्तरीय 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाकर जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जो जनांदोलन में परिवर्तित हो गया। सरकार को भी विश्वास नहीं रहा होगा कि जल संरक्षण जैसे मुद्दे को जनता का इतना अधिक समर्थन मिलेगा कि सरकारी अभियान असरकारी बन जाएगा और समाज इस अभियान को अपनी जिम्मेदारी के तौर पर स्वीकार कर लेगा। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत और इससे प्रेरित होकर प्रदेश में अनेक स्थानों पर जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया गया, उनको व्यवस्थिति किया गया और वर्षा जल को एकत्र करने की रचनाएं बनायी गईं। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल और प्रतिबद्धता ने जल संरक्षण के इस अभियान को एक जनांदोलन का रूप दे दिया है, जिससे जल संरक्षण में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है। इस अभियान में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सक्रिय सहयोग मिला, जिन्होंने जल संवर्धन के संदेश को घर–घर तक पहुँचाया। ये जलदूत जब गाँव–गाँव, नगर–नगर और घर–घर जल संरक्षण का संदेश लेकर पहुँचे तो एक सकारात्मक वातावरण भी बना और जल संरक्षण को लेकर समाज के भीतर एक जागरूकता भी आई। निरूसंदेह, यदि यह जनजागरूकता स्थायी हो जाए तो जल गंगा संवर्धन अभियान की सबसे बड़ी सफलता होगी। अभियान को शुरू करते समय सरकार ने जो लक्ष्य तय किया था, उससे कहीं अधिक परिणाम धरातल पर प्राप्त हुआ है। जल संरक्षण के लिए 38 हजार नए खेत तालाबों का निर्माण किया गया है। खंडवा जिले में 254 करोड़ रुपये की लागत से 1 लाख से अधिक कुओं को रिचार्ज किया गया, जिसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इंदौर संभाग ने स्वच्छता और जल संरक्षण में नंबर–एक का स्थान हासिल किया है। ये दो प्रमुख उदाहरण हैं। प्रदेश के अन्य जिलों में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। समूचे मध्यप्रदेश में 70 हजार कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों का संरक्षण किया गया, जो जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करनेवाले हैं।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित हैं। याद हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण के लिए जनांदोलन चलाने का आह्वान किया था। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह किया कि वह अपने स्तर पर वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रयास करे। प्रधानमंत्री मोदी की पहलकदमी पर भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत 'कैच द रेन' अभियान को शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान व्यक्तियों, समुदायों और सभी हितधारकों को वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाने तथा जल संरक्षण की पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इसी तर्ज पर 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को जनता के बीच ले जाने का अनुकरणीय कार्य किया है। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव, दोनों ही प्रकृति, पर्यावरण एवं समाज के प्रति गहरी संवेदनाएं रखते हैं। राजनीति से इतर वे इन सब विषयों पर बात रखते हैं और लोगों को इस दिशा में प्रेरित भी करते हैं। उल्लेखनीय है कि अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 120वें संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण को देश के लिए अत्यंत आवश्यक बताया था। उन्होंने जल संचय जन–भागीदारी अभियान के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि "जो प्राकृतिक संसाधन हमें मिले हैं, उसे हमें अगली पीढ़ी तक सही सलामत पहुँचाना है"। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान ने प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अकसर सरकारी अभियान विज्ञापनों एवं कागजों में दम तोड़ देते हैं या फिर उनकी सफलता सोशल मीडिया तक सीमित रह जाती है। यह आंदोलन अपने वांछित लक्ष्य से आगे निकल रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। उनका मानना है कि जल ही हमारे जीवन के अस्तित्व का आधार है, इसलिए इसकी एक–एक बूंद बचाना अनिवार्य है। उनकी गहरी प्रतिबद्धता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस अभियान की देखरेख की जिम्मेदारी सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को सौंपी है। लोग बड़ी संख्या में श्रमदान कर पानी को बचाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। जिला प्रशासन विशेष रूप से नदियों के किनारे देशी प्रजातियों के पौधे रोप रहा है। इससे जमीन के नीचे जल–स्तर बढ़ रहा है और मिट्टी को नुकसान से बचाया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य कर दिया गया है। स्कूल और कॉलेजों में जल–संरक्षण पर जन–जागरण अभियान, रैलियां, निबंधा प्रतियोगिताएं, जल संवाद और 'जल प्रहरी' जैसी गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग और मूल्यांकन प्रणाली की व्यवस्था की गई है, जिसमें सभी गतिविधियों की जीआईएस ट्रैकिंग और इंपैक्ट वैल्यूएशन किया जा रहा है। सरकार ड्रोन से सर्वेक्षण, वैज्ञानिक तरीके से जलग्रहण क्षेत्र की मैपिंग और भू–जल पुनर्भरण तकनीकों का उपयोग कर रही है। इन सब प्रबंधों से स्पष्ट तौर पर प्रतीत होता है कि प्रदेश सरकार का यह अभियान मुख्यमंत्री के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यों में से एक है। इस अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना ही नहीं, बल्कि उनकी निरंतर देखरेख और संरक्षण सुनिश्चित करना भी है। सरकार ने इन स्रोतों की सफाई, सीमांकन और पुनर्जीवन के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया है। लोग बड़ी संख्या में श्रमदान कर जल संरक्षण में सहयोग कर रहे हैं।

इस अभियान के दूरगामी परिणाम अपेक्षित हैं। बारिश के मौसम में इसके और अधिक प्रभावी परिणाम दिखेंगे, जिससे भूजल स्तर में सुधार होगा, हरियाली बढ़ेगी और मिट्टी में नमी आएगी। इससे पूरे प्रदेश में जल संकट को दूर करने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा, इस अभियान ने समाज की मनोवृत्ति पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है, जिससे जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह अभियान निश्चित रूप से मध्यप्रदेश को जल–समृद्ध राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एक पेड़ मां के नाम पर किया कृषि मंत्री ने पौधरोपण

अधिक से अधिक पौध किसानों को किया जाए वितरित

बस्ती। वृहद पौधरोपण अभियान के तहत कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि विज्ञान केंद्र एक पेड मां के नाम थीम पर एक पौधरोपित किया। केंद्र पर संचालित प्रदर्शन इकाइ काला नमक धान की विभिन्न प्रजातियों के ट्रायल, मातृ फल पौधशाला ,जगरी यूनिट कांपलेक्स, बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं जैविक उत्पादन इकाई जीवामृत, वर्मी कंपोस्ट एवं नाडेप का अवलोकन किया। नेट हाउस व फल मातृ पौधशाला में लगी हुई रंगीन आम के फलों, चीकू, षरीफा, सेब, अंजीर, नीबूं, आवला, कटहल, लीची,पपीता आदि की विभिन्न किस्मों को देखकर प्रसन्नता जाहिर की। किसानों को फलों के पौधा वितरित किया। निर्देशित किया कि इन किस्मों के फल पौध अधिक से अधिक पौध तैयार कर किसानों को वितरित करें तथा पाली हाउस में बेमौसमी सब्जियों को उगाने की तकनीक का विस्तृत प्रचार–प्रसार करें। कहा कि वैज्ञानिक इस प्रकार की कार्ययोजना बनाएं, जिससे इस केंद्र के माध्यम से गांव स्तर पर कृषि की नवीनतम तकनीक को पहुंचाया जा सके ताकि कृषकों को अधिक उत्पादन व आय प्राप्त हो सके। एक पेड मां के नाम कार्यक्रम के दौरान कहा कि केंद्र के वैज्ञानिक अपनी कार्य योजना में फलों एवं सब्जियों के पौध तैयार करने के साथ ही साथ काला नमक धान व तिल,मूंगफली, अरहर की खेती को बढ़ावा दें। प्रक्षेत्र पर इसकी कैफिटेरिया लगाने एवं बीज उत्पादन कराया जाए। संयुक्त निदेषक कषि राम बचन कनौजिया ने विभाग की प्रगति के बारे में बताया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा. एसके तोमर ने विज्ञान केंद्र की प्रगति बताई। डा. तोमर ने अवगत कराया कि किसानों तक कृषि तकनीकों के पहुंचाने के लिए प्रगतिशील कृषकों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिस पर आवश्यक सलाहकारी सेवाएं समय–समय पर दी जा रही हैं एवं षासन के निर्देष पर जनपद चयनित दोनो गांव में केन्द्र की प्रभावषाली कृशि तकनीकी संबन्धी गतिविधियां व चलाई जा रही है। डा. तोमर ने बताया कि नेट हाउस तकनीक से फलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु किसानों को फलों के पौध भी वितरित किए जा रहे हैं तथा चयनित गांव बिहरा खास में पौधरोपण किया। महिलाओं को फल पौध वितरित किए गए। समीक्षा के समय उपनिदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, जिला कृषि अधिकारी डा. बाबूराम मौर्य , भूमि संरक्षण अधिकारी बस्ती डा. राजमंगल चौधरी, केन्द्र के वैज्ञानिक डा.पी.के. मिश्रा, डा. राघवेंद्र प्रताप सिंह, डा. बीबी सिंह ,डा. अंजली वर्मा , हरिओम मिश्रा एवं आरबी सिंह ,केंद्र के कंप्यूटर प्रोग्रामर जितेन्द्र प्रताप शुक्ल एवं तमाम प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

श्रीराम पब्लिक स्कूल में सघन वृक्षारोपणः छात्रों ने लगाये पौध

बस्ती। एक पेड़ मां के नाम अभियान में बुधवार को स्वर्गीय श्रीमती पतिराजी देवी शिक्षा एवं समाज कल्याण सोसायटी द्वारा संचालित श्रीराम पब्लिक स्कूल में छात्रों द्वारा 300 पौध रोपे गये। विद्यालय के प्रबंधक एवं पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि जो पौध लगाये जांय उनके सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की जाय। श्रीराम पब्लिक स्कूल के निदेशक राजेश चौधरी, प्रधानाचार्य कुमार अभिनव ने बताया कि पौधरोपण को लेकर छात्रों में विशेष उत्साह देखा गया। विद्यालय परिसर में पौधरोपण अभियान को सम्पन्न कराने में मुख्य रूप से अमित भट्ट, सोनू भट्ट, रजत मिश्रा, अमर, अभिषेक चौधरी, जसवन्त यादव, जितेन्द्र सिंह के साथ ही शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और संतराम यादव, राजन पाण्डेय, आशीष चौधरी, लालचंद चौधरी, प्रकाश निषाद के साथ ही छात्रों ने योगदान दिया।

महिलाओं के लिए जरूरी हैं ये 5 प्रकार के हील्स फुटवियर्स

हील्स फुटवियर्स महिलाओं के फैशन का अहम हिस्सा है। ये न केवल आपके लुक को खास बनाते हैं, बल्कि इन्हें पहनकर चलना भी आसान हो जाता है। आजकल बाजार में कई तरह की हील्स उपलब्ध हैं, जिनमें ब्लॉक हील्स, वेज हील्स, प्लेटफॉर्म हील्स, स्पूल हील्स और किटन हील्स शामिल हैं। इस लेख में हम आपको इन सभी हील्स के बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं ताकि आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार चुन सकें।

ब्लॉक हील्स

ब्लॉक हील्स मोटे आधार वाली होती हैं, जो चलने में आरामदायक होती हैं। ये हील्स रोजमर्रा के उपयोग के लिए बेहतरीन विकल्प हैं क्योंकि इनसे पैरों में दर्द नहीं होता और इनका संतुलन भी अच्छा रहता है। ब्लॉक हील्स को किसी भी प्रकार के कपड़े के साथ पहना जा सकता है, चाहे वह जींस हो या साड़ी। इनका मुख्य फायदा यह है कि ये लंबे समय तक पहनने पर भी आरामदायक महसूस होती हैं।

वेजीस हील्स

वेज हील्स पूरी एड़ी को सपोर्ट करती हैं, जिससे चलने में कोई दिक्कत नहीं होती है। ये हील्स रोजमर्रा के उपयोग के लिए बहुत अच्छी होती हैं क्योंकि इनसे पैरों में दर्द नहीं होता और इनका संतुलन भी अच्छा रहता है। वेज हील्स को किसी भी प्रकार के कपड़े के साथ पहना जा सकता है, चाहे वह जींस हो या साड़ी। इनका मुख्य फायदा यह है कि ये लंबे समय तक पहनने पर भी आरामदायक महसूस होती हैं।

प्लेटफॉर्म हील्स

प्लेटफॉर्म हील्स का आधार भी मोटा होता है, जिससे इन्हें पहनकर चलना आसान हो जाता है। ये हील्स खास मौकों पर पहनी जाती हैं जैसे पार्टी या शादी–ब्याह में। प्लेटफॉर्म हील्स का डिजाइन ऐसा होता है कि ये आपके पैरों को लंबा दिखाती हैं और आपके लुक को खास बनाती हैं। इनका मुख्य आकर्षण उनका मोटा आधार होता है, जो इन्हें बेहद आकर्षक बनाता है। इनसे चलने में आरामदायक महसूस होता है।

स्पूल हील्स

स्पूल हील्स पतले आधार वाली होती हैं, लेकिन इनका आकार गोल होता है, जिससे चलने में कोई दिक्कत नहीं होती है। ये हील्स रोजमर्रा के उपयोग के लिए बहुत अच्छी होती हैं क्योंकि इनसे पैरों में दर्द नहीं होता और इनका संतुलन भी अच्छा रहता है। स्पूल हील्स को किसी भी प्रकार के कपड़े के साथ पहना जा सकता है, चाहे वह जींस हो या साड़ी। इनका मुख्य आकर्षण उनका गोल आधार होता है।

किटन हील्स

किटन हील्स छोटी लेकिन स्टाइलिश होती हैं, जिन्हें रोजमर्रा के उपयोग या खास मौकों पर पहना जा सकता है। इनसे चलना आसान होता है और ये आपके लुक को खास बनाती हैं। किटन हील्स का डिजाइन ऐसा होता है कि ये आपके पैरों को लंबा दिखाती हैं और आपके लुक को खास बनाती हैं। इनका मुख्य आकर्षण उनका छोटा लेकिन आकर्षक आधार होता है, जो इन्हें बेहद सुंदर बनाता है।

हर 3 महीने में अपना टूथब्रश जरूर बदलें, वरना आपकी सेहत को हो सकता है खतरा

स्वस्थ रहने के लिए ओरल हेल्थ का अहम रोल होता है. इसके लिए मुंह को अंदर से साफ रखना बेहद जरूरी है. हम जो खाना खाते हैं वो मुंह के जरिए पेट में जाता है. लेकिन हम में से कई लोग ऐसे भी हैं जो तीन महीने से ज्यादा समय तक एक ही ब्रश से दांत साफ करते हैं. इससे हमारे शरीर में कई बीमारियां घर कर सकती हैं और हमें पता भी नहीं चलता. इसलिए सबसे पहले आपको नियमित रूप से अपना ब्रश बदलने की जरूरत है. ब्रश को साफ रखना भी जरूरी है. आप हर तीन महीने में अपना ब्रश बदलकर और अच्छी क्वालिटी का ब्रश इस्तेमाल करके ओरल हेल्थ को बरकरार रख सकते हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक दिन में दो बार ब्रश करना सेहत के लिए फायदेमंद होता है. आइए इस खबर के जरिए जानते हैं आपको कितनी बार अपना टूथब्रश बदलना चाहिए और इसका इस्तेमाल कैसे करना चाहिए.

ओरल हेल्थ पूरे शरीर के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है. जब हमारे दांत और मसूड़े स्वस्थ होते हैं, तभी हम भोजन को ठीक से चबा सकते हैं, स्पष्ट बोल सकते हैं और आत्मविश्वास से मुस्कुरा सकते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि ओरल हाइजीन को नजरअंदाज करने से दांतों में सड़न, मसूड़ों की बीमारी और सांसों की बदबू जैसी समस्याएं हो सकती हैं. लंबे समय तक एक ही टूथब्रश का इस्तेमाल करने से न सिर्फ मुस्कान की खूबसूरती कम होती है, बल्कि विशेषज्ञों का कहना है कि खराब ओरल हाइजीन से दिल की बीमारी भी हो सकती है.

हर तीन महीने मेंरू विशेषज्ञों का कहना है कि टूथब्रश के मामले में आपको तीन महीने का नियम अपनाना चाहिए. इसका मतलब यह है कि ब्रश चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, उसे हर तीन महीने में बदल देना चाहिए. विशेषज्ञों के अनुसार, तीन महीने के बाद ब्रश काम करना बंद कर देता है. इसके ब्रिसल्स भी खराब हो जाते हैं. इसका मतलब यह है कि आप इन टूथब्रश से चाहे जितनी बार भी ब्रश करें, आपके दांत साफ नहीं होंगे और दांतों की समस्या पैदा होगी. इसके अलावा, घिसा हुआ टूथब्रश दांतों की सफाई में कम प्रभावी होता है. एक अध्ययन के अनुसार, अपने टूथब्रश को हर तीन से चार महीने में बदलना जरूरी है या जैसे ही ब्रश के ब्रिसल्स खराब हो जाएं.

टूथब्रश पर माइक्रोऑर्गेनिज्मरू विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही ब्रश अच्छी स्थिति में हो, लेकिन कुछ दिनों के बाद यह समाइक्रोऑर्गेनिज्म का घर बन सकता है. इसके अलावा, हम में से ज्यादातर लोग अपने ब्रश को सिंक और बाथरूम के पास रखते हैं, जिससे टूथब्रश पर सूक्ष्मजीव जमा हो सकते हैं. एक अध्ययन में कहा गया है कि इससे हार्ट डिजीज, गठिया और स्ट्रोक जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती. इसलिए, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि उन्हें नियमित रूप से बदलना जरूरी है.

' क्या आप भी ऐसे ही ब्रश करते हैं? कई लोग अपने दांतों को ब्रश करते समय सोचते हुए या जोर–जोर से ब्रश करते हैं. जिसकी वजह से कुछ दिनों बाद दांत फीके दिखने लगते हैं. क्या आप भी ऐसे ही ब्रश करते हैं? ऐसा करना कई परेशानियों को न्योता देने जैसा है. साथ ही इससे दांत ठीक से साफ भी नहीं होते. इसलिए हमेशा जिगजैग और स्लो मोशन में ब्रश करना अच्छा रहता है.

' इंफेक्शन का खतरारू विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आपको सर्दी, बुखार या खांसी जैसी कोई संक्रामक बीमारी है, तो आपको इसके ठीक होने के बाद अपना टूथब्रश बदल देना चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि संक्रामक बीमारियों के कारण बैक्टीरिया और वायरस आपके टूथब्रश पर कुछ दिनों तक रह सकते हैं. इससे दोबारा संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है. इसलिए, विशेषज्ञों की राय है कि किसी भी संक्रामक बीमारी के तुरंत बाद अपना टूथब्रश बदलना जरूरी है. अपने दांतों को कैसे ब्रश करें? मौखिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए, मेयो क्लिनिक के विशेषज्ञ सुबह उठने से पहले और रात को सोने से पहले कम से कम दो मिनट तक फ्लोराइड टूथपेस्ट से अपने दांतों को ब्रश करने की सलाह देते हैं. ब्रश को 45 डिग्री के कोण पर पकड़ें और दांतों की सतह और मसूड़ों के पास हल्के गोलाकार गति में ब्रश करें. बहुत जोर से ब्रश करने से दांतों का इनेमल खराब हो सकता है. विशेषज्ञ हर 3–4 महीने में अपना टूथब्रश बदलने की भी सलाह देते हैं।

समय मंत्र
हिन्दी मासिक समाचार पत्र
हिन्दी मासिक समाचार पत्र समय मंत्र स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक प्रदीप कुमार द्वारा शिवम प्रेस ग्राम–पिपरा पाण्डेय पो0–धेन्सा नानकार जनपद सिद्धार्थनगर उत्तर प्रदेश पिन कोड 272207 से मुद्रित कराकर ग्राम–पिपरा पाण्डेय पो0–धेन्सा नानकार जनपद सिद्धार्थनगर उ0प्र0 से प्रकाशित ।
सम्पादक
प्रदीप कुमार
मो0–9936720490
Email
samaymantra55@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सिद्धार्थ नगर मान्य होगा।